एस्. एन्. डी. टी. महिला विद्यापीठ

* कुलगीत *

“संस्कृता स्त्री पराशक्ति'' स्वर हमारा है
विश्व है परिवार, भारत घर हमारा है।
हम नहीं हैं दीन, कहता कौन हम अबला
है सबल संस्कृति हमारी, हम सभी सबला
ज्योती से जगमग हुआ, अंतर हमारा है।।
स्वप्न ठाकरसी हुआ साकार है इसमें
महर्षि कर्वे तपस्या - सार है इसमें
हम दिशाएँ और यह दिनकर हमारा है।।
“संस्कृता स्त्री पराशक्ति'' स्वर हमारा है
विश्व है परिवार, भारत घर हमारा है।